नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

'नागरिक मौतों के पीछे तंत्र की लापरवाही

इंदौर,जिसे हम बार-बार 'देश का सबसे स्वच्छ शहर' कहकर गर्व महसूस करते हैं,आज उसी शहर के भागीरथपुरा क्षेत्र से जो करुण चीखें उठी हैं, वे केवल एक स्थानीय त्रासदी की नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन की क्रूर संवेदनहीनता की गवाही देती हैं. दूषित पानी पीने से 12 लोगों की मौत और अनेकों नागरिकों का अस्पताल में भर्ती होना किसी प्राकृतिक आपदा का नतीजा नहीं, बल्कि यह नगर निगम और जल प्रदाय तंत्र की आपराधिक लापरवाही से उपजा एक प्रशासनिक अपराध है.

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब लोगों ने कई दिनों से गंदे, दुर्गंधयुक्त और संदिग्ध पानी की शिकायतें की थीं,तो यह शिकायतें आखिर किस फाइल में दफन कर दी गईं ? किसके आदेश पर इन्हें अनसुना किया गया ? और किस 'सिस्टम' ने नागरिकों की चीखों को महज नोटिंग-शीट में बदलकर रख दिया? 26 दिसंबर को पहली मौत हुई. इसके बाद भी न जगने वाला प्रशासन क्या जीवन की कीमत से पूरी तरह बेपरवाह हो चुका है ? पाइपलाइन में रिसता सीवर का जहर जनता के गिलासों तक पहुंचता रहा और जिम्मेदार अधिकारी 'सब नियंत्रण में है' का रटंत पाठ पढ़ते रहे. यह केवल लापरवाही नहीं,यह जिम्मेदारी से भागा हुआ प्रशासन है. और अगर चेतावनी के बावजूद कार्रवाई न हो, तो क्या इसे गैर-इरादतन हत्या का मामला नहीं माना जाना चाहिए? इंदौर की स्वच्छता रैंकिंग पर टंगे चमकदार बोर्ड, सड़कों पर रंगे-सजे डिब्बे और पुरस्कार ग्रहण करती नगर व्यवस्था,इन सबके पीछे अब जो कुरूप सच दिख रहा है, वह यह कि शहर जर्जर पानी लाईनों के भरोसे जिंदा है. भागीरथपुरा की गलियों में बहता ड्रेनेज, घरों में पहुंचता जहरीला पानी और अस्पतालों में बिस्तरों पर तड़पते नागरिक,यह दृश्य बताता है कि 'नंबर-1 इंदौर' के दावे उस समय खोखले पड़ जाते हैं, जब नागरिकों को दो घूंट सुरक्षित पानी भी न मिल पाए. इस पूरे प्रकरण में सबसे खतरनाक तत्व है, जवाबदेही का अभाव. हर त्रासदी के बाद 'जांच समिति' बना देना, 'रिपोर्ट का इंतजार' कह देना और दो-चार अधिकारियों का औपचारिक निलंबन,यह प्रशासनिक पाखंड अब जनता को स्वीकार नहीं. इंदौर को जांच रिपोर्ट नहीं, दृढ़ और उदाहरणात्मक दंडात्मक कार्रवाई चाहिए. इसलिए मांगें स्पष्ट हैं और इन्हें टाला नहीं जाना चाहिए.

पहला, जिन अधिकारियों के अधीन यह क्षेत्र था, जिनकी मेज पर शिकायतें पहुंचीं और फिर भी कार्रवाई नहीं हुई,उन पर गैर-इरादतन हत्या की धाराओं में एफआईआर दर्ज हो. दूसरा, सिर्फ निलंबन नहीं, सीधी बर्खास्तगी हो,ताकि यह संदेश जाए कि प्रशासनिक कुर्सी जनता के जीवन से बड़ी नहीं. तीसरा,नगर निगम के शीर्ष स्तर पर जवाबदेही तय हो, और यह सार्वजनिक रूप से स्पष्ट किया जाए कि पहली चेतावनी पर कार्रवाई क्यों रोकी गई. यह घटना केवल एक क्षेत्रीय विफलता नहीं,यह उस प्रणाली का प्रतिफल है जिसमें रैंकिंग और सर्टिफिकेट को नागरिकों के जीवन से ऊपर रख दिया गया है. अगर आज समाज चुप रहा, तो कल किसी अन्य बस्ती में फिर एक 'भागीरथपुरा' जन्म लेगा. इंदौर को यह तय करना होगा कि क्या हम चमकदार पुरस्कारों के भ्रम में जीते रहेंगे, या उस वास्तविक शहर के लिए आवाज उठाएंगे जहां पानी जीवन देता है,मौत नहीं ! अब वक्त शोक का नहीं, निर्दयी सिस्टम से जवाब मांगने का है.

दिल्ली डायरी

दिग्विजय के बयान से दिल्ली का राजनीतिक तापमान बढ़ा

प्रवेश कुमार मिश्र

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने पिछले दिनों आरएसएस के संदर्भ में जो कुछ भी कहा है उससे दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म है. लगातार संघ व भाजपा के प्रति हमलावर रुख रखने वाले दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर एक फोटो जारी करते हुए जिस तरह से संघ व भाजपा की संगठनात्मक शक्ति की तारीफ की है उसके अलग-अलग मायने तलाशे जा रहे हैं.

जहां एक तरफ भाजपाई नेता अपनी तारीफ के पीछे छुपे राजनीतिक तथ्यों को तलाश रहे हैं वहीं दूसरी ओर कांग्रेसी नेता दिग्विजय सिंह के रूख में आए अचानक बदलाव के कारण को समझने में लगे हैं. सोशल मीडिया पर भी उनके बयान को लेकर लगातार प्रतिक्रिया आ रही है. हालांकि दिग्विजय सिंह ने स्पष्ट रूप से संघ की विचारधारा को अस्वीकार किया है. लेकिन उनके बयान को आधार बनाकर पार्टी के अंदर सुगबुगाहट शुरू हो गई है. कुछ नेता इसे एक सलाह के तौर पर देखते हुए सुधारात्मक कदम उठाने की बात कह रहे हैं तो कुछ नेता इसे गैरवाजिब करार दे रहे हैं.

गुप्त बैठक पर चौकन्ने भाजपाई रणनीतिकार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में हलचल पैदा कर देने वाले भाजपाई ब्राह्मण विधायकों की बैठक को भले अलग-अलग तर्क देकर भाजपाई रणनीतिकार असर हीन करने में लगे हैं लेकिन लखनऊ से लेकर दिल्ली तक इस बैठक की चर्चा जोरों पर है. लगभग 50 विधायक व विधानपरिषद सदस्यों ने पहली बार जाति-आधारित बैठक कर भाजपाई रणनीतिकारों को चौंका दिया है. हालांकि सूबे के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने चेतावनी देते हुए जाति के आधार पर बैठक नहीं करने का संदेश दिया है लेकिन चर्चा यह है कि आखिर किस परिस्थिति में राज्य सरकार पर एक खास वर्ग के साथ भेदभाव का आरोप लगाया है.

दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि इस बैठक के माध्यम से विधायकों ने केंद्र व राज्य संगठन को बहुत बड़ा संदेश देते हुए अपनी भविष्य की योजनाओं को रेखांकित करने का प्रयास किया है. कहा जा रहा है कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा ऐसे विधायकों पर दवाब बनाने के बजाय उनके साथ व्यक्तिगत विमर्श कर डैमेज कंट्रोल करने को कहा गया है.

सुलझ नहीं रहा है कर्नाटक कांग्रेस का अंतर्कलह

पिछले छह माह से कर्नाटक में नेतृत्व बचाने व परिवर्तन को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच जारी अंतर्द्वंद्व समाप्त होता नहीं दिख रहा है. दर्जनों बार पार्टी के वरिष्ठ रणनीतिकारों द्वारा बीच का रास्ता निकालने का प्रयास किया है लेकिन अभी भी टकराव बना हुआ है. ड

ीके शिवकुमार गुट का तर्क है कि सरकार गठन के समय दोनों पक्षों को ढ़ाई-ढ़ाई वर्ष तक मुख्यमंत्री की कुर्सी दिए जाने की बात हुई थी जबकि सिद्धारमैया गुट के नेताओं का दावा है कि पार्टी हाईकमान ने कभी भी इस तरह का आश्वासन नहीं दिया था. हालांकि पार्टी नेतृत्व द्वारा लगातार समन्वय बैठाने का प्रयास किया जा रहा है. चर्चा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पिछले दिनों मुख्यमंत्री सिद्धारमैया व उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से अलग-अलग व्यक्तिगत मुलाकात कर उन्हें एकजुट रहने की हिदायत दी है. लेकिन अभी भी टकराव बना हुआ है.

मनरेगा बचाओ अभियान के सहारे गांव-गांव पहुंचने की तैयारी

कांग्रेस पार्टी भले ही संसद में मनरेगा योजना में किए गए आमूलचूल परिवर्तन को रोकने में असफल रही है लेकिन वह अब इस योजना की अच्छाई और नए नामकरण के साथ योजना में किए गए कथित तौर पर उद्देश्यपूर्ण बदलाव को आधार बनाकर गांव-गांव पहुंचने की तैयारी में है. हालांकि मनरेगा की जगह लेने वाले विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन यानी वीबी-जी राम जी ग्रामीण अधिनियम के पक्ष में सरकार द्वारा तथ्यात्मक जानकारी देते हुए कथित भ्रम को दूर करने की कोशिश की जा रही है. ग्रामीण विकास मंत्री शिवराजसिंह चौहान इसके लिए खुद मोर्चा संभाले हुए हैं लेकिन कांग्रेसी रणनीतिकार दूरगामी सोच के साथ इसे गांव-गांव में चर्चा कराकर महात्मा गांधी के नाम को हटाने के कारण व कारकों को आधार बनाकर सरकार पर दबाव बनाने के प्रयास में लगे हैं.

स्वास्थ्य मानकों में निरंतर सुधार

राजेन्द्र शुक्ल
उप मुख्यमंत्री

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने समस्त प्रदेशवासियों को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी हैं. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में देश वैश्विक मंच पर अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है, भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और विश्वगुरु बनने के लक्ष्य के और निकट पहुँच चुका है.

इसी राष्ट्रीय संकल्प के अनुरूप मध्यप्रदेश स्वास्थ्य क्षेत्र में सशक्त, सक्षम और सुदृढ़ता की ओर अग्रसर है. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश आज स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और जनकल्याण के क्षेत्र में निरंतर नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कर रहा है. स्वास्थ्य मानकों में निरंतर सुधार और स्वास्थ्य सेवाएं व्यापक एवं सुदृढ़ हो रही हैं.

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में स्टेट-ऑफ-द-आर्ट चिकित्सा उपकरणों, एमआरआई, सीटी स्कैन, कैथ लैब, लिनियर एक्सेलेरेटर, बोन मैरो ट्रांसप्लांट, डायलिसिस यूनिट और सुपरस्पेशियलिटी सेवाओं का तीव्र विस्तार किया गया है. चिकित्सा शिक्षा में सरकारी एवं निजी मेडिकल कॉलेजों, एमबीबीएस, पीजी और सुपरस्पेशियलिटी सीटों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे प्रदेश के युवाओं को बेहतर अवसर मिल रहे हैं साथ ही स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ हुई हैं. उज्जैन में अत्याधुनिक मेडिसिटी का विकास किया जा रहा है.

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है. सभी गर्भवती माताओं से आग्रह है कि वे अनिवार्य एएनसी जाँच अवश्य कराएँ. हर माह की 9 और 25 तारीख को एएनसी जाँच अवश्य करायें. इससे मातृ और शिशु स्वास्थ्य का बेहतर प्रबंधन किया जा सकेगा. उन्होंने कहा कि रक्तदान और अंगदान मानवता की सर्वोच्च सेवा हैं. प्रदेश सरकार इन पुनीत कार्यों को प्रोत्साहित कर रही है. युवाओं और नागरिकों से आह्वान है कि वे आगे आकर रक्तदान व अंगदान के लिए संकल्प लें.एंटीबायोटिक केवल चिकित्सक की सलाह से, निर्धारित मात्रा और अवधि तक ही लें .

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रिवेंटिव हेल्थकेयर पर विशेष बल दे रही है. योग, संतुलित आहार, प्राकृतिक खेती से प्राप्त स्वच्छ भोजन और भारतीय जीवनशैली न केवल व्यक्ति को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.

स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन और स्वस्थ पर्यावरण ही विकसित मध्यप्रदेश की आधारशिला है. उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा हाल ही में जारी रिपोर्ट में कई एंटीबायोटिक दवाएँ के कम प्रभावी होने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इसका प्रमुख कारण बिना चिकित्सकीय सलाह के एंटीबायोटिक दवाओं का अनावश्यक और गलत उपयोग है. उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की है कि एंटीबायोटिक केवल चिकित्सक की सलाह से, निर्धारित मात्रा और अवधि तक ही लें. यह सावधानी न केवल आपके स्वास्थ्य, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी अत्यंत आवश्यक है.

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशनों में क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश अग्रणी- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान, सिकल सेल उन्मूलन मिशन, निक्षय भारत अभियान, स्वस्थ यकृत मिशन, आयुष्मान भारत योजना, नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज नियंत्रण और अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रमों में मध्यप्रदेश ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं और आगे भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है. उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश के डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिकल स्टाफ, आशा, एएनएम और सभी स्वास्थ्य कर्मियों की समर्पित सेवा सराहनीय है. उन्होंने स्वास्थ्य अमले को अथक परिश्रम, संवेदनशीलता और सतत प्रयासों के लिए बधाई दी है और इसी समर्पण के साथ सेवा जारी रखने का आह्वान किया है.

बाल विवाह देश की प्रगति में बाधक

केंद्र सरकार ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की पहली वर्षगांठ पर 100 दिनों की जनजागृति मुहिम शुरू की है, जिसमें 2030 तक बाल विवाह समाप्त करने का संकल्प शामिल है. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे के अनुसार इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हो रही है. 2005-06 में बाल विवाह के 47.4 प्रतिशत मामले थे, जो 2015-16 में घटकर 26.8 प्रतिशत रह गए. इसके बाद 2019 से 2023 तक यह मामले कम होकर 23.3 प्रतिशत पर आए. 2023 की यूनिसेफ रिपोर्ट के अनुसार विश्वस्तर पर 64 करोड़ महिलाएं ऐसी हैं, जिनकी बचपन में ही शादी कर दी गई थी. इनमें एकतिहाई महिलाएं भारत की हैं. बंगाल में 42 प्रतिशत, बिहार में 40 प्रतिशत तथा त्रिपुरा में 39 प्रतिशत बाल विवाह होते हैं. राजस्थान में भी बड़ी तादाद में ऐसा होता है. इसके पीछे गरीबी, अशिक्षा और पुरानी रूढ़ियां हैं. इसे रोकने के लिए कानून है. 2006 में बाल विवाह प्रतिबंधक कानून बनाया गया. बच्चों को यौन अपराध से बचाने के लिए 2012 में कानून बना. इसके बावजूद बाल विवाह रोकने के लिए बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना होगा और समाज में जनजागृति लानी होगी. केंद्र सरकार ने महिलाओं के लिए शादी की न्यूनतम आयु 21 वर्ष तय की है, ताकि वह उच्च शिक्षा व हुनर का विकास हासिल कर आर्थिक रूप से स्वावलंबी बन सकें. कानून अपनी जगह है, लेकिन आज भी 61 प्रतिशत महिलाएं ऐसी हैं, जिनकी 21 साल से कम उम्र में शादी कर दी गई है. आदिवासी इलाकों में प्रसव के समय महिला की मृत्यु का कारण कम उम्र में शादी और पोषण का अभाव है. कुछ समुदायों में पालक बचपन में ही विवाह तय कर देते हैं और कच्ची उम्र में शादी कर दी जाती है.

कितने ही ग्रामीण क्षेत्रों में सेकंडरी शिक्षा की व्यवस्था नहीं है, इसलिए वहां लड़कियों का जल्दी विवाह कर दिया जाता है. इस समस्या के पीछे आर्थिक और सामाजिक कारण हैं. ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें लड़कियां पढ़ाई कर व आवश्यक हुनर सीख कर स्वावलंबी बन सकें.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

नए साल का क्या हो संकल्प साथ ही सोचकर रखो विकल्प

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, हम नए साल के लिए कुछ संकल्प करना चाहते हैं. इस बारे में हमें कुछ सुझाव या राय दीजिए ताकि हमारा संकल्प सार्थक हो सके.'

हमने कहा, 'संकल्प लेना आसान है, लेकिन निभाना कठिन ! जो लोग धुन के पक्के रहते हैं और किसी लक्ष्य को हासिल करने का मनोबल रखते हैं, उन्हें ही संकल्प करना चाहिए. लोकमान्य तिलक ने कहा था- स्वाधीनता मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है. अंग्रेजों ने उन्हें बर्मा के मंडाले जेल में 6 वर्ष कैद रखा, लेकिन उनका संकल्प नहीं टूटा. महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा का संकल्प जीवनभर निभाया. संकल्प के पक्के लोग कहते हैं- रघुकुल रीत सदा चली आई, प्राण जाएं पर वचन न जाई. व्यापारी या उद्योगपति नए साल में नया उद्योग खोलने और बड़ा मुनाफा कमाने का संकल्प करता है. पुर्तगाल के फुटबॉल सुपरस्टार रोनाल्डो ने अब तक 956 गोल बना लिए हैं. अपनी 41 वर्ष की उम्र के बावजूद वह 1,000 गोल का टारगेट पूरा करने का संकल्प रखते हैं. संकल्प या रिजॉल्यूशन के साथ एक्शन भी होना चाहिए.' पड़ोसी ने कहा, 'हम सोच रहे हैं कि किसी पंडित को बुलाकर मंत्रोच्चार के बीच हाथ में जल लेकर विधिवत संकल्प करें. दानवराज बलि ने भी तो वामन अवतार को 3 पग भूमि दान में देने का संकल्प किया था. दानवीर कर्ण ने भी संकल्पपूर्वक अपने कवच-कुंडल दान कर दिए थे. राजा हरिश्चंद्र ने सत्य का पालन करने का अपना कठिन संकल्प निभाया था. विश्वामित्र ने उनकी कड़ी परीक्षा ली, लेकिन वह डिगे नहीं. भगीरथ ने गंगा को स्वर्ग से पृथ्वी पर लाने का संकल्प पूरा कर दिखाया. भगवान राम ने रावण वध का संकल्प पूरा किया था.'

हमने कहा, 'आप बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं. आप खुद क्या करने जा रहे हैं? क्या मॉर्निंग वॉक शुरू करेंगे? गुटखा खाकर सड़क पर थूकने का व्यसन छोड़ेंगे? फास्ट फूड की बजाय पोषक आहार लेंगे? काम, क्रोध, मद, लोभ को नियंत्रित करेंगे? गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करेंगे? लोगों के साथ अपना व्यवहार सुधारेंगे ? अहंकार छोड़ेंगे?'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, यथाशक्ति संकल्प करने के बाद भी यदि उसका पालन नहीं किया जा सके तो 1 वर्ष बाद फिर संकल्प करने का विकल्प रहता है. संकल्प इसीलिए रहते हैं कि अपनी सुविधानुसार कभी भी तोड़े जा सकें.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12128
- डॉ. सागर खादीवाला

1	2		3	4	■	5	
6		■	7		8		■
9		10	■	■	11		12
■	■	13	14		■	15	
16	17			■	18		
19		■	20	21		■	
22			■		■	23	■
24		■	25				

बाएं से दाएं
1. इतना मारना कि शरीर पर काले दाग पड़ जाएं 5. व्यथा, पीड़ा, तकलीफ, कष्ट, दुख (उर्दू) 6. दुख, शोक, पीड़ा आदि का सूचक शब्द 7. बुरे कामों से जीविका चलाने वाला दुराचारी (उर्दू) 9. धन की राशि, धन 11. विपत्ति, दुर्दशा (उर्दू) 13. गीली वस्तु का पतला लेप चढ़ाना, पोतना 15. एक सी वस्तुओं की माला, लड़ 16. नायक, सिखों की पदवी 18. किसी भी पशु या पक्षी का बच्चा 19. वह गुण जिससे कोई वस्तु चिपकती हो 20. जलाने वाला, जलन पैदा करने वाला 22. व्यभिचार से उत्पन्न 24. न्यायाधीश, निर्णायक (अं) 25. प्रशंसा के योग्य

ऊपर से नीचे
1. कुहरा, हिम, बर्फ (सं.) 2. योग्य, उपयुक्त (उर्दू) 3. ईश्वर, मालिक, परवरदिगार (उर्दू) 4. शब्द, ध्वनि (सं.) 5. गणित में भिन्न का एक भेद जिसमें हर दश या उसका कोई घात होता है 8. आठ रत्ती का प्रसिद्ध पुराना मान या तौल 10. चूरमा, एक प्रकार का बढ़िया ऊनी कपड़ा 12. तीर रखने का चोंगा, तूणीर (उर्दू) 14. आड़ करने के लिए लटकाया हुआ कपड़ा या चिक, छिपाव 16. पत्नी के भाई की पत्नी 17. पारा 18. साग, भाजी 21. हत्या करने या मार डालने वाला 23. जल

Solution 12127

अ	ज्ञा	त	वा	स	■	शा	दी
प	प	ड़ी	■	मा	ल	खा	ना
स्ना	न	■	छा	ना	■	■	र
न	■	म	ता	धि	का	र	■
■	चू	हा	■	का	र	ग	र
सं	■	म	सू	र	■	■	ग
प्र	वा	हि	त	■	पा	प	ड़
ति	■	म	ज	बू	र	■	ना

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष क प्रारंभ में नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी, अधिनस्थ कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा, वर्ष के मध्य में सामाजिक कार्यो में संलग्नता रहेगी, व्यवसाय में वृद्धि होगी, आर्थिक लाभ होगा, उतावलेपन में लिये गये निर्णय हानिकारक रहेंगे, आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें, मित्र के सहयोग से उदासीनता दूर होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को आर्थिक लाभ का योग है, व्यवसाय में वृद्धि होगी, कर्क राशि के व्यक्तियों को नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों की सामाजिक कार्यो में संलग्नता रहेगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को अधिनस्थ कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को उतावलेपन पर लिया गया निर्णय हानिकारक रहेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों के लिये व्यक्तित्व में विकास होगा, आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक भावुक अपनी मनमर्जी का मालिक होगा. कोमल शरीर वाला होगा, 5 वर्ष की आयु तक स्वास्थ्य में कुछ नरमीं रहेगी, कम बोलेगा पर जो भी बोलेगा वह अपनी बुद्धिमानी से परिपूर्ण रहेगी. 35 वर्ष की आयु के बाद अच्छी उन्नति करेगा. पिता का भक्त होगा.

मेष- नए संपर्क केरिअर बनाने में सहायक रहेंगे, व्यापारिक प्रतिस्पर्धा बनी रहने से तनाव रहेगा, वैभवविलासिता की वस्तुओं का संचय होगा.

वृषभ- निजी कार्यो को टालने से समस्या हो सकती है, संपत्ति संबंधी विवाद सुलझने के आसार हैं, जो भी मिल जाये उसी में संतोष रहेगा. यश प्राप्त होगा.

मिथुन- पारिवारिक मामलों में बाहरी दखल से समस्या बढ़ सकती है, मित्र व कुटुम्बियों के संबंध में मधुरता रहेगी, जोड़तोड़ के कामकाज सफल होगा.

कर्क- बुजुर्गो के व्यवहार से खिन्नता होगी, उच्च अध्ययन में बेहतर परिणाम मिलेंगे. कामकाज के प्रति लगन, निष्ठा की रूचि रहेगी. कार्य पूरे होने का हर्ष होगा.

सिंह- संतान को भाग्योदय के अवसर मिलेंगे, मेहनत का भरपूर लाभ होगा, आय व्यय समान रहेगा, पेट संबंधी विकार होगा, खानपान पर संयम रखें.

कन्या- मनमौजी रवैया तरक्की में बाधक हो सकता है, नई जिम्मेदारी आने से व्यस्तता बढ़ेगी, राजकीय कार्यो में समाधान होगा, मांगलिक कार्य में खर्च होगा.

तुला- पुरानी मुश्किलें दूर हो सकती है, जरूरतमंदों की मदद करके खुशी होगी, लाभदायक अवसर मिलेंगे, विवादों को टालना हितकर रहेगा.

वृश्चिक- आकस्मिक लाभ के अवसर मिलेंगे, नये कामकाज की शुरूआत हो सकती है, जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा.

धनु- जिद में आकर आप गलत फैसला ले सकते हैं, भौतिक सुख सुविधाओं पर खर्च होगा, शादी विवाह के कार्यों में खर्च होगा, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा.

मकर- तय कार्यक्रम में बदलाव से समस्या हो सकती है, कार्यों का समेटने में मित्रों की मदद मिलेगी, राजकीय कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है.

कुम्भ- कार्य को समय पर निपटाने की आदत डालें, सफलता मिलेगी, अधिकार में वृद्धि होगी, मान प्रतिष्ठा मिलेगी, अतिथि वृश्चिकमन हो सकता है.

मीन- स्वास्थ्य कमजोर रहेगा, कामकाज के सिलसिले में यात्रा संभव है, किसी समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा, सुख सुविधाओ में वृद्धि होगी.

उदयकालीन ग्रह चाल

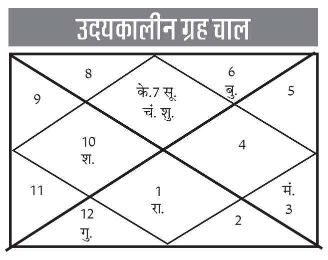

पंचांग

रा.मि. 11 संवत् 2082 पौष शुक्ल त्रयोदशी गुरूवासरे रात 8/29, रोहिणी नक्षत्रे रात 9/30, शुभ योगे शाम 4/11, कौलव करणे सू.उ. 6/46, सू.अ. 5/14, चन्द्रचार वृषभ, पर्व- प्रदोष व्रत, शु.रा. 2,4,5,8,9,12 अ.रा. 3,6,7,10,11,1 शुभांक- 4,6,0.

व्यापार भविष्य

पौष शुक्ल त्रयोदशी को रोहिणी नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, रूई के भाव में तेजी होगी, गेहूं, जौ, चना, चांवल, जूट, पाट बारदान के भाव में मंदी होगी. गुड, शक्कर घी तेल कपास के भाव में नरमीं रहेगी. भाग्यांक 1521 है.

SUDOKU 7260

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7259

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4